



भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Soybean Research
खंडवा रोड, इन्दौर 452001
Khandwa Road, Indore-452001



फ़ाइल क्रमांक F.No. : टेक 10-6/2023

दिनांक Date: 10.07.2023

YouTube channel: <https://www.youtube.com/channel/UCNdY5AsfPZqsCO8IxAuSyQ>

Facebook Page: <https://www.facebook.com/ICAR-Indian-Institute-of-Soybean-Research-Indore-507415769433553>

Twitter: @IisrIcar

Whatsapp & Telegram: IISR Soy Farmers

सोयाबीन कृषकों के लिए उपयोगी सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers
(10-16 जुलाई 2023 / 10th -16th July 2023)

अधिकतर क्षेत्रों में सोयाबीन की बोवनी संपन्न होने की सूचनाएं हैं, जबकि अभी भी कुछ क्षेत्रों के किसान सोयाबीन की बोवनी करने की प्रतीक्षा में हैं। इस परिस्थिति में सोया कृषकों को निम्न कृषि कार्य अपनाने की सलाह है:

As per the reports, soybean farmers from the majority of the soybean growing areas have completed the sowing. However, the farmers from certain areas are yet to sow the soybean crop. Considering the prevailing situation, farmers are advised to adopt the following measures.

अ. ऐसे क्षेत्र जहाँ सोयाबीन की बोवनी शेष है, सोया कृषकों को निम्न सस्य क्रियाओं को अपनाने की सलाह दी जा रही है:

A. In areas where sowing is yet to be completed, farmers are advised to follow the practices as given below:

1.	ऐसे किसान जिनकी सोयाबीन बोवनी होना शेष है, उनको सलाह है कि, कतारों की दूरी 30 सेमी. तक घटाये एवं बीज दर बढ़ाकर (90-100 किग्रा./हे) इस सप्ताह सोयाबीन की बोवनी कर सकते हैं। Farmers who are yet to complete the sowing of soybean crop are advised to do so by reducing the row spacing of 30cm and increasing the seed rate to 90-100 kg/ha.
2.	साधारणतया, सोयाबीन की बोवनी हेतु जुलाई माह के प्रथम सप्ताह तक का समय सबसे उपयुक्त होता है। इससे विलंबित स्थिति में शीघ्र पकने वाली किस्में (जैसे JS-20-34, NRC 130, NRC 131, NRC-138 आदि) को प्राथमिकता देने की सलाह है। The optimum time of sowing for the majority of the soybean growing area is the second/third week of June and the first week of July. In case of delayed sowing, farmers are advised to give preference for cultivation of short-duration soybean varieties (JS 20-34, NRC 130, NRC 131, NRC 138 etc).
3.	विलंबित बोवनी की स्थिति में कृषकों को सलाह है कि, खरपतवार प्रबंधन की दृष्टि से जहाँ तक संभव हो, कल्टीवेटर चलाने के पश्चात बोवनी करें। In the circumstances of delayed sowing, farmers are advised to use cultivator before the sowing in order to have effective/economical weed control measures.
4.	विपरीत मौसम (सूखे कि स्थिति, अतिवृष्टि आदि) से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सोयाबीन की बोवनी बी.बी.एफ.पद्धति या रिज एवं फरो पद्धति से करें। It is advised to sow the crop using Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow methods of sowing in order to save the crop in event of excessive rainfall as well as drought situations.
5.	कृषकों को सलाह है कि सोयाबीन फसल के प्रमुख रोगों के साथ साथ तना मक्खी जैसे कीटों से फसल की सुरक्षा हेतु बोवनी के समय निम्नानुसार FIR क्रम का अनुपालन करते हुए बीजोपचार करें। <ul style="list-style-type: none">बीजोपचार के लिए बाजार में उपलब्ध पूर्वमिश्रित फफूंदनाशक-कीटनाशक दवाई एजोक्सीस्ट्रोबीन 2.5% + थायोफिनेट मिथाईल 11.25% + थायामिथोक्सम 25% एफ.एस. (10 मिली/कि.ग्रा.बीज) सबसे सुविधाजनक है क्योंकि इसमें फफूंदनाशक एवं कीटनाशक का संयोजन पहले से ही किया गया है।बीजोपचार हेतु अन्य वैकल्पिक फफूंदनाशक जैसे पेनफ्लूफेन+ ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबीन 38 एफ.एस (1 मि.ली./कि.ग्रा.बीज) अथवा कार्बोक्सिन 37.5%+थाइरम 37.5% (3 ग्राम/कि.ग्रा.बीज) उपयोग किये जाने की स्थिति में सलाह है कि इनसे उपचारित करने के पश्चात अनुशंसित कीटनाशक थायामिथोक्सम 30 एफ.एस. (10 मि.ली.मि.ली./कि.ग्रा.बीज) अथवा इमिडाक्लोप्रिड (1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज) से भी उपचारित करें।


	<ul style="list-style-type: none"> ● फफूंदनाशक एवं कीटनाशकों से बीजोपचार बोवनी से पहले भी किया जा सकता है जबकि ब्रेडीरायजोबियम/PSB/मायकोरायजा जैसे जीवाणु खाद से टीकाकरण केवल बोवनी के समय करें. ● फफूंदनाशक एवं कीटनाशक से उपचारित बीज को बोवनी के समय सोयाबीन बीज को जैविक कल्चर ब्रेडीरायबियम + पी.एस.एम. (प्रत्येकी 5 ग्राम/किग्रा .बीज) से टीकाकरण करने की भी सलाह है. ● कृषकगण रासायनिक फफूंद नाशक के स्थान पर जैविक फफूंद नाशक <i>ट्रायकोडर्मा विरिडी</i> (10 ग्राम/किग्रा बीज) का भी उपयोग कर सकते है जिसको जैविक कल्चर के साथ मिलकर प्रयोग किया जा सकता है. <p>Seed treatment and inoculation: In order to protect the crop from various diseases and from infestation of stem fly, soya farmers are advised to follow the seed treatment using FIR sequence as given below.</p> <ul style="list-style-type: none"> ● Farmers are advised to use premixed formulation like Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate Methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS (@ 10 ml/kg seed) having both fungicides-insecticide which need not be treated again with recommended insecticides. ● In case of using other recommended fungicides like_Penflufen + Trifloxystrobin (1 ml/kg seed) OR Thiram + Carboxin (3 g/kg seed), farmers are suggested to treat the seed immediately with insecticide like - Thiamethoxam 30 FS (10 ml/kg seed) or Imidacloprid 48 FS (1.25 ml/kg seed). ● Seed treatment with chemicals can be done much before sowing. But the seed inoculation with <i>bradyrhizobium</i>/PSB/PSM culture can be done only at the time of sowing. ● In addition to fungicide and insecticides, it is advised to inoculate the seed with <i>Bradyrhizobium japonicum</i> and PSM cultures both @ 5 g/kg seed should be done just before sowing. As an alternative to chemical fungicides, farmers also have an option of using bio-fungicide i.e. <i>Trichoderma viride</i> (10 g/kg seed) which can be mixed along with organic cultures. 	
6.	<p>सोयाबीन फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों (25:60:40:20 कि.ग्रा/हे नाइट्रोजन ,फॉस्फोरस ,पोटाश व सल्फर) की पूर्ति केवल बोवनी के समय करें. इसके लिए इनमे से कोई भी एक उर्वरकों के स्रोत का चयन प्रति एक हेक्टेयर के लिए किया जा सकता है:</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूट ऑफ़ पोटाश अथवा 2. डी.ए.पी 125 किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा 3. मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर <p>Farmers are also advised to apply the of recommended quantity all the nutrients (25:60:40:20 N:P₂O₅:K₂O:S kg/ha) in balanced way, only at the time of sowing. For this, they may apply the recommended quantity of all fertilizers just before the sowing followed by sowing operation. The nutritional dose can be supplied through any one of the fertilizers combinations for each one hectare area:</p> <ol style="list-style-type: none"> (1) 56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MoP OR (2) DAP @125 kg + 67 Kg MOP+ 25 kg Bentonate Sulphur OR (3) Complex fertilizer 12:32:16 (200 kg/ha) + 25 kg Bentonate Sulphur. 	
7.	<p>खरपतवार नियंत्रण हेतु कृषकों को सलाह है कि अपनी सुविधा के अनुसार अनुशंसित बोवनी बोवनी पूर्व/बोवनी के तुरंत बाद/खडी फसल में उपयोगी अनुशंसित खरपतवारनाशकों में से किसी एक का प्रयोग निम्न सावधानियों के साथ कर सकते हैं (तालिका 1).</p> <ul style="list-style-type: none"> ● बोवनी से पूर्व उपयोगी खरपतवारनाशकों के छिडकाव पश्चात भूमि में मिलाना आवश्यक है. इसके लिए कल्टीवेटर का प्रयोग कर सकते हैं. ● बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का प्रयोग बोवनी के तुरंत बाद या बीजांकुर भूमि से बहार आने से पूर्व ही करें, अन्यथा बीजांकुर के मरने का खतरा होता है. ● खरपतवारनाशकों के छिडकाव हेतु पॉवर स्प्रेयर का उपयोग करते हुए 125 लीटर /हे या नेपसेक स्प्रेयर से 450 लीटर/हे का प्रयोग सुनिश्चित करें. 	
8.	<p>Farmers have a choice of selecting any one recommended PPI or Pre-emergence herbicides, Post-emergence herbicides (Table 1) for control of weeds.</p> <ul style="list-style-type: none"> ● After the spray of PPI herbicides, its incorporation in soil is necessary. ● PE herbicides can be used immediately after the sowing but before the field emergence. ● For spraying the herbicides, it is advised to use sufficient quantity of water (125 litre/ha for using power sprayer or 450 litre/ha using a knapsack sprayer). 	

(तालिका 1: सोयाबीन फसल के लिए अनुशंसित PPI एवं PE खरपतवारनाशकों की सूची)

क्रं.	खरपतवारनाशक का प्रकार Weedicide Type	रासायनिक नाम Name of Weedicide	मात्रा/हेक्टे dose/ha	किस प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रण हेतु प्रयोग करें ?
1	बोवनी पूर्व उपयोगी* PPI	पेण्डीमिथालीन+इमेथेथापायर	2.5-3 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
2	बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी PE herbicides	डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
		सल्फेन्ट्राझोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.5 - 2.00 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.5-3.30 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.5-1.75 कि.ग्रा.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.	चौड़ी पत्ती वाले
		मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.5-0.75 कि.ग्रा.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
		सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 कि.ग्रा.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
		पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.	चौड़ी पत्ती वाले
		मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.0 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
No	Type of weedicide	Chemical Name	Quantity (per ha)	For control of
1	Pre Plant Incorporation (PPI)*	Pendimethalin + Imazethapyr	2.5-3 l	Monocot+Dicot weeds
2	Pre-emergence (PE)	Diclosulum 84 WDG	26-30 g	Monocot+Dicot weeds
		Sulfentrazone 39.6 SC	750 g	Monocot+Dicot weeds
		Chlomozone 50 EC	1.5-2.00 l	Monocot+Dicot weeds
		Pendimethalin 30 EC	2.5-3.3 l	Monocot+Dicot weeds
		Pendimethalin 38.7 CS	1.5 - 1.75 kg	Monocot+Dicot weeds
		Flumioxazin 50 SC	250 ml	Dicot weeds
		Metribuzin 70WP	0.5- 0.75 kg	Monocot+Dicot weeds
		Sulfentrazone + Clomazone	1.250 kg	Monocot+Dicot weeds
		Pyroxasulfone 85 WG	150 g	Dicot weeds
		Metolachlor 50 EC	2.0 l	Monocot+Dicot weeds

ब. ऐसे क्षेत्र जहाँ सोयाबीन की बोवनी हो चुकी है, सोया कृषकों को निम्न सस्य क्रिया / उपाय अपनाने की सलाह है

B. Soybean advisory for the areas where sowing is completed, farmers are advised to follow the recommended practices as given below:

1.	<p>ऐसे किसान जिन्होंने सोयाबीन की बोवनी परंपरागत सीड ड्रिल से की हो, उन्हें सलाह है कि अत्यधिक वर्षा से या सूखे से फसल में होने वाले नुकसान से बचने हेतु उपयुक्त कतारों के बाद (6 या 9 कतारों के अंतराल पर) नालियाँ निकालने की व्यवस्था सुनिश्चित करें।</p> <p>Those farmers who did not use BBF/Ridge Furrow method of sowing, are advised to open conservation furrows at certain interval (at 6 or 10 rows) in order to have effective drainage of excess rain water as well as moisture conservation for mitigating the drought.</p>	
2.	<p>सोयाबीन में खरपतवार नियंत्रण हेतु वरीयता अनुसार हाथ से निंदाई, डोरा/कुल्पा का प्रयोग/खड़ी फसल में उपयोगी खरपतवारनाशकों (तालिका 2) में से किसी एक विधि का प्रयोग करें, जिसके लिए निम्न सावधानियों का अनुपालन करने की सलाह है:</p> <ul style="list-style-type: none"> खरपतवारनाशकों के छिड़काव हेतु पॉवर स्प्रेयर का उपयोग करते हुए 125 लीटर /हे या नेपसेक स्प्रेयर से 450 लीटर/हे का प्रयोग सुनिश्चित करें. खरपतवारनाशकों के छिड़काव के लिए फ्लड जेट/प्लैट फेन नोजल का प्रयोग करें. <p>Farmers are suggested to use manual weeding/dora-Kulpa/recommended post emergence herbicides (Table 2) in order of their merits for control of weeds.</p> <ul style="list-style-type: none"> For spraying the herbicides, it is advised to use sufficient quantity of water (125 liter/ha for using power sprayer or 450 litre/ha using a knapsack sprayer. Use of flood jet/flat fan nozzle is recommended while using herbicides. 	
3.	<p>ऐसे कृषक जिन्होंने अपनी फसल में बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का प्रयोग किया है, सलाह है कि खरपतवारों के नियंत्रण हेतु सुविधाजनक मौसम होने पर डोरा/कुल्पा चलायें।</p> <p>Farmers who have already used either Pre=Plant Incorporation (PPI) herbicides or Pre-emergence (PE) herbicides, are advised to go for inter-cultivation using dora/kulpa as per the favorable condition for the control of weeds.</p>	

4.	जहा फसल 15-20 दिन की हो गई है, और अभी तक किसी भी प्रकार के खरपतवारनाशक का प्रयोग नहीं किया है, सलाह है कि सोयाबीन फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए अनुशंसित खड़ी फसल में उपयोगी किसी एक रासायनिक खरपतवारनाशक का छिड़काव करें (तालिका 2 देखें). Wherever the crop is of 15-20 days' duration, the farmers who have not yet used any of the herbicides so far, are suggested to apply spray of any one post-emergence herbicide recommended for soybean (Table 2).	
5.	जहाँ पर फसल 15-20 दिन की हो गई हो, पत्ती खाने वाले कीटों से सुरक्षा हेतु फूल आने से पहले ही सोयाबीन फसल में क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) का छिड़काव करें. इससे अगले 30 दिनों तक पर्णभक्षी कीटों से सुरक्षा मिलेगी. Wherever the crop is of 15-20 days duration, farmers are advised to spray the soybean crop with Chlorantraniliprole 18.5 SC. @ 150 ml/ha till 4-5 days before flower initiation. This will control defoliators for the next 30 days.	
6.	इस समय तना मक्खी का प्रकोप प्रारंभ होने के सम्भावना होती है. अतः इसके नियंत्रण हेतु सलाह है कि पूर्वमिश्रित कीटनाशक थायोमिथोक्सम 12.60%+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन 09.50% जेड.सी. (125 मिली./हे.) का छिड़काव करें. Initial infection of stem fly is likely to occur at this stage. Farmers are advised to control the same by spray of Thiamethoxam 12.60%+Lambda Cyhalothrin 09.50% ZC @125 ml/ha immediately after the symptoms are noticed.	
7.	भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा खरपतवारनाशकों एवं कीटनाशकों की सांगतता बाबत अभी तक किये गए अनुसन्धान परीक्षणों के अनुसार निम्न खरपतवारनाशक एवं कीटनाशकों की सांगतता पाई गई है. अतः सलाह है कि जिन्होंने बोवनी पूर्व या बोवनी के तुरंत बाद उपयोगी खरपतवारनाशकों का अभी तक प्रयोग नहीं किया है, निम्न सूचि में से कोई एक कीटनाशक एवं खरपतवार नाशक का मिलाकर छिड़काव किया जा सकता है. (1)कीटनाशक: क्लोरान्त्रानिलिप्रोल 18.5 एस.सी. (150 मिली/हे) या क्विनालफोस 25 ई.सी (1 ली/हे) या इन्डोक्साकर्व 15.8 एस.सी (333 मि.ली./हे) (2) खरपतवारनाशक: इमाज़ेथापायर 10 एस.एल (1 ली/हे) या क्विजालोफोप इथाइल 5 ई.सी (1 ली/हे) As per the results of the trials conducted on compatibility of insecticides and herbicides at ICAR-IISR, the combined use following insecticides and herbicides are found compatible. Farmers who did not apply PPI or PE herbicide are suggested to use combination of either one among the following insecticide and herbicides at this stage. (1) Insecticides: Chlorantraniliprole 18.5 SC (150 ml/ha) or Quinalphos 25 EC (1 l/ha) or Indoxacarb 15.8 EC (333 ml/ha) (2) Herbicides: Imazethapyr 10 SL (1 lit/ha) or Quizalofop ethyl 5 EC (1.00 lit/ha).	
8.	जिन रसायनों के मिश्रण के सम्बंध में कोई वैज्ञानिक अनुशंसा या पूर्व अनुभव नहीं है, ऐसे मिश्रण का उपयोग कदापि नहीं करें. इससे फसल को नुकसान हो सकता है Farmers are suggested not to use any combination of insect/herbicides which is not recommended/tested by the ICAR-IISR. This may cause damage/losses to the crop.	
9.	मालवा (मध्य प्रदेश) के कुछ जिलों में रायजोक्टोनिया रूट रॉट/ पिथियम सीडलिंग रोग से नवजात पौधों के मरने की सूचनाये प्राप्त हुई है. अतः सलाह है कि जहा जहा संभव हो, अधिक अंतराल होने पर गैप फिलिंग (बीज डालकर बोवनी) करे. नुकसान की तीव्रता अधिक होने पर पुनः सोयाबीन की बोवनी करें. Reports of seedling mortality due to Rhizoctonia root rot/Pythium seedling disease has been received from certain districts of Malwa (Madhya Pradesh). Farmers are advised to go for gap-filling wherever possible. If the mortality is too much, re-sowing is advised using an increased seed rate (90-100 kg/ha) and decreased row spacing (30cm.)	

(तालिका 2: सोयाबीन की खड़ी फसल में अनुशंसित खरपतवारनाशकों की सूचि)

अ. बोवनी के 10-12 दिन बाद उपयोगी	क्लोरीम्यूरान इथाईल 25 डब्ल्यू.पी+ सर्फेक्टेन्ट	36 ग्राम	चौड़ी पत्ती वाले
	बेन्टाझोन 48 एस.एल.	2.0 ली.	चौड़ी पत्ती वाले
ब. बोवनी के 15-20 दिन बाद उपयोगी	इमेज़ेथापायर 10 एस.एल.	1.00 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
	इमेज़ेथापायर 70% डब्ल्यू.जी+सर्फेक्टेन्ट	100 ग्रा.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
	क्विजालोफोप इथाईल 5 ई.सी.	0.75-1.00 ली.	घासवर्गीय
	क्विजालोफोप-पी-इथाईल 10 ई.सी.	375-450 मि.ली.	घासवर्गीय
	फेनाक्सीफोप-पी -इथाईल 9 ई.सी.	1.11 ली.	घासवर्गीय
	क्विजालोफोप-पी-टेफ्युरिल 4.41 ई.सी.	0.75- 1.00 ली.	घासवर्गीय
	फ्ल्यूआजीफोप-पी-ब्युटाईल 13.4 ई.सी.	1-2 ली.	घासवर्गीय
	हेलाक्सिफोप आर मिथाईल 10.5 ई.सी.	1-1.25 ली.	घासवर्गीय

	प्रोपाक्विजाफॉप 10 ई.सी.	0.5-0.75 ली.	घासवर्गीय
	फ्लूथियासेट मिथाईल 10.3 ई.सी.	125 मि.ली.	चौड़ी पत्ती वाले
	क्लेथोडियम 25 ई.सी.	0.5 -0.70 ली.	घासवर्गीय
स .पूर्वमिश्रित खरपतवारनाशक (बोवनी के 15-20 दिन बाद उपयोगी)	फ्लूआजिआफॉप-पी-ब्युटाईल+फोमेसाफेन	1.0 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
	इमाझेथापायर+इमेजामॉक्स	100 ग्रा.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
	प्रोपाक्विजाफॉप+इमाझेथापायर	2.0 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
	सोडियम एसीफ्लोरेफेन+क्लोडिनाफाप प्रोपारगील	1 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
	फोमेसाफेन +क्विजालोफाप इथाईल	1.5 ली.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय
	क्विजालोफाप इथाईल + क्लोरोम्यूरान इथाईल +सर्फेक्टेन्ट	375 मिली+36 ग्रा.	चौड़ी पत्ती एवं घासवर्गीय

(List of recommended post-emergence herbicides in soybean)

Post emergence (10-12 DAS)	Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant	36 g	Dicot weeds
	Bentazone 48 SL	2.0 l	Dicot weeds
Post emergence (15-20 DAS)	Imazethapyr 10 SL	1.00 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr 70% WG + Surfactant	100 g	Monocot+Dicot weeds
	Quizalofop-ethyl 5 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
	Quizalofop-p-ethyl 10 EC	375-450 ml	Monocot weeds
	Fenoxaprop-p-ethyl 9.3 EC	1.11 l	Monocot weeds
	Quizalofop -p-tefuryl 4.41 EC	0.75-1.00 l	Monocot weeds
	Fluazifop-p-butyl 13.4% EC	1 -2 l	Monocot weeds
	Haloxifop R Methyl 10.5 EC	1-1.25 l	Monocot weeds
	Propaquizafop 10 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds
	Fluthiacet methyl 10.3 EC	125 ml	Dicot weeds
	Clethodim 25 EC	0.5-0.75 l	Monocot weeds
POE Pre-mix formulations (15-20 DAS)	Fluazifop-p-butyl + Fomesafen	1 l	Monocot+Dicot weeds
	Imazethapyr + Imazamox	100 g	Monocot+Dicot weeds
	Propaquizafop + Imazethapyr	2.0 l	Monocot+Dicot weeds
	Sodium Acefloufen + ClodinafopPropargyl	1.0 l	Monocot+Dicot weeds
	Fomesafen + Quizalofop ethyl	1.5 l	Monocot+Dicot weeds
	Quizalofop Ethyl 10% EC + Chlorimuron Ethyl 25% WP + Surfactant (0.2) (Herbicide) (Twin pack)	375 ml+36g+0.2%	Monocot+Dicot weeds

Please follow our social Media

